आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)

सोमवार 20.05.2024 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- **लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 49 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सम्पन्न हुआ।**
- **चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए 31 मई तक ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक रहेगी।**
- **मुख्यमंत्री पुश्कर सिंह धामी ने ''पिरूल लाओ, पैसे पाओ'' अभियान को राज्य के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।**
- **और, प्रदेश के मैदानी हिस्सों में गर्मी से सामान्य जनजीवन प्रभावित, मौसम विभाग ने पर्वतीय जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया।**

लोकसभा चुनाव–01

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए आज शाम मतदान समाप्त हो गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार शाम पांच बजे तक करीब 57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इस चरण में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 49 निर्वाचन क्षेत्रों में वोट डाले गये, जिसमें उत्तर प्रदेश की 14, महाराष्ट्र की 13, पश्चिम बंगाल की सात, ओडिशा तथा बिहार की पांच–पांच, झारखंड की तीन और जम्मू–कश्मीर तथा लद्दाख की एक–एक सीट शामिल है। इस चरण में 695 उम्मीदवारों का भाग्य मत पेटी में कैद हो गया है।

सीएम समीक्षा

चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित संख्या को देखते हुए 31 मई तक ऑफलाइन पंजीकरण पर रोक रहेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं और पेयजल व बिजली आपूर्ति को लेकर आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए। श्री धामी ने संबंधित अधिकारियों को श्रद्धालुओं की संख्या को नियंत्रित करने के लिए टूर ऑपरेटरों के लिए दिशानिर्देश जारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिना पंजीकरण के चारधाम यात्रा पर आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए पुलिस और पर्यटन विभाग आपसी समन्वय से प्रदेश के अन्य धार्मिक व आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के लिए डायवर्जन प्लान तैयार करें। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्ग और चारधाम में पेयजल और बिजली की आपूर्ति सुचारू बनाए रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि ''पिरूल लाओ, पैसे पाओ'' अभियान को राज्य के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल जंगल की आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है और जल्द ही आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा।

पुलिस महानिदेशक

पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने आज चारधाम यात्रा के सुगम संचालन के दृष्टिगत जोशीमठ में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा प्रदेश की आस्था, पहचान व आर्थिकी से जुड़ी है और इसके लिए पुलिस का प्रयास होना चाहिए कि यात्री प्रदेश से बेहतर अनुभव लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिसके लिए पुलिस को अभी से कार्ययोजना तैयार करनी होगी। श्री कुमार ने कहा कि यातायात का दबाव बढ़ने की स्थिति में यात्रियों को चिन्हित किये गये निर्धारित स्थानों पर रोके जाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये और ऐसे स्थानों पर श्रद्धालुओं को खाने, पीने, रहने और आवश्यक वस्तुओं की सुविधा उपलब्ध करवाने पर जोर दिया जाए। पुलिस और प्रशासन की ओर से चारधाम और यात्रा मार्गों पर किये गए व्यापक प्रबंध से उत्साहित नजर आ रहे हैं। बदरीनाथ पहुंचे तीर्थयात्रियों ने आकाशवाणी से बातचीत में अपने अनुभव साझा कर प्रशासन और सरकार का आभार व्यक्त किया है।

चारधाम यात्रा

प्रदेश के चारों धामों में तीथ यात्रियों का आवागमन सुव्यस्थित और सुचारू ढंग से जारी है। पिछले 10 दिनों में लगभग 7 लाख श्रद्धालुओं ने केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा की है। उत्तरकाशी स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में आज लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए प्रशासन यात्री सुविधाओं को और अधिक बेहतर करने में जुटा है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने यात्रियों के रिकार्ड संख्या में आगमन को देखते गंगोत्री व यमुनोत्री धाम सहित यात्रा मार्गों व पड़ावों पर यात्री सुविधाओं व व्यवस्थाओं को चाक–चौबंद बनाए रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए यमुनोत्री पैदल मार्ग पर रोटेशन के आधार पर तय संख्या में ही घोड़े–खच्चर और डंडी–कंडी का आवागमन सुनिश्चित कराने को कहा। पैदल मार्ग पर यात्रियों की सुरक्षा व सहायता के लिए पुलिस, होमगार्ड और पीआरडी के जवानों के साथ ही एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के जवानों को भी तैनात किया गया है।

स्वास्थ्य सचिव

आगामी मॉनसून के दृष्टिगत चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील और अति संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर विशेष सतर्कता बरती जायेगी। आज केदारनाथ धाम में यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए केदारनाथ यात्रा प्रभारी और स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर आर राजेश कुमार ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में डॉ. कुमार ने कहा कि इस बार चारधाम यात्रा के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। इसके लिए यात्रा मार्गों पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को तीर्थ यात्रियों के साथ मधुर व्यवहार करने के साथ ही यात्रा को सुचारु व सुव्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर यात्री को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ–साथ प्राथमिकता के आधार पर उपचार दिया जाएगा। इस दौरान उन्होंने जिला अस्पताल में स्थापित सिटी स्कैन मशीन को जल्द शुरू करने को कहा। डॉक्टर कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी यात्रा मार्गों पर खाद्य पदार्थों की निरन्तर जांच करें और खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्ती से रोक लगाएं।

मद्महेश्वर कपाट

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट आज सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर भक्तों के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं। इस मौके पर 300 श्रद्धालुओ ने भगवान मद्महेश्वर के दर्शन किए। श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि द्वितीय केदार के कपाट खुलने के साथ ही पंचकेदार की यात्रा पूरी तरह से शुरू हो गई है।

मौसम

और अब एक नजर मौसम पर.... राजधानी देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंह नगर और नैनीताल जिलों के मैदानी इलाकों में आज भीषण गर्मी महसूस की गयी। पिछले 24 घंटे के दौरान हरिद्वार के रूड़की में सर्वाधिक 41 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तापमान बढ़ने से मैदानी हिस्सों में लू की स्थिति बनी रही, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। वहीं, मौसम विभाग ने आज राज्य के पर्वतीय जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की संभावना व्यक्त की है।

आलू उत्पादन

चमोली जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जैविक आलू का उत्पादन किया जाता है। जिले में उत्पादित आलू की मैदानी बाजारों में काफी मांग है। आलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिला विकास विभाग ने ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के तहत काश्तकारों को जिले में ही बीज उत्पादन की योजना तैयार की है। योजना के प्रथम चरण में देवाल ब्लॉक के मुंदोली गांव को चयनित किया गया है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि जिले की जलवायु आलू के उत्पादन के लिये बेहतर है। ऐसे में आलू उत्पादन को बढ़ावा देकर काश्तकारों की आय को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके लिए उन्हें तकनीकी सहयोग देकर उत्पादन में उच्चतम स्तर की गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय

उच्चतम न्यायालय ने आज भारतीय दंड संहिता, आपराधिक दंड संहिता और साक्ष्य अधिनियम की जगह हाल ही में बनाए गए तीन आपराधिक कानूनों के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली अवकाश पीठ ने याचिकाकर्ता से व्यक्तिगत रूप से कहा कि यह याचिका खारिज किए जाने योग्य है। याचिका पर विचार करने में शीर्ष अदालत की अनिच्छा को भांपते हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि उसे याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए। इस अवकाश पीठ में न्यायमूर्ति पंकज मित्तल भी शामिल थे। न्यायालय ने कहा कि यह याचिका बहुत ही अनौपचारिक और लापरवाह तरीके से दायर की गई है। आखिर में याचिका को वापस लिया गया मानकर खारिज कर दिया गया।